भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1714
10 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए

समुद्री शैवाल की खेती

1714. श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में समुद्री शैवाल की खेती की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है, और आंध्र प्रदेश सहित राज्यवार कुल कितने क्षेत्र पर खेती की जा रही है;

(ख) देश में समुद्री शैवाल की खेती, मूल्यवर्धन और बाजार लिंकेज के संवर्धन के लिए वर्तमान में लागू योजनाओं, मिशनों और नीतिगत पहलों की सूची संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में पिछले पांच वर्षों के दौरान ऐसी योजनाओं के अंतर्गत सम्मिलित लाभार्थियों की आंध्र प्रदेश सहित राज्यवार कुल संख्या कितनी है;

(घ) देशभर में पिछले पांच वर्षों के दौरान समुद्री शैवाल की खेती और संबद्ध अवसंरचना के विकास के लिए आंध्र प्रदेश सहित राज्यवार आवंटित, स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई कुल निधि कितनी है;

(ङ) सरकार द्वारा देश में पिछले पांच वर्षों के दौरान समुद्री शैवाल के घरेलू उपयोग को बढ़ाने और मांग-आधारित समुद्री शैवाल अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार ने देश में समुद्री शैवाल की खेती के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क): 11,099 किलोमीटर की तटरेखा के साथ भारत में समुद्री शैवाल की खेती की अपार क्षमता है। साइट की पहचान और मानचित्रण अनुसंधान संस्थानों जैसे ICAR-केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (CMFRI) और CSIR-केंद्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (CSMCRI) द्वारा किया जाता है। वर्तमान में, आंध्र प्रदेश सहित तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में समुद्री शैवाल कृषि के लिए 24707 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए कुल 384 संभावित स्थलों की पहचान की गई है। आंध्र प्रदेश सहित सक्रिय समुद्री शैवाल कृषि के अंतर्गत संभावित क्षेत्र का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ख) मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार अपनी योजनाओं, पहलों और नीतिगत उपायों के माध्यम से समुद्री शैवाल कृषि, मूल्य संवर्धन और बाजार संबंधों को बढ़ावा दे रहा है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) (2020-21 से 2025-26 के दौरान कार्यान्वित) के तहत समुद्री शैवाल कृषि को एक प्राथमिकता गतिविधि के रूप में सहायता प्रदान की जाती है और राफ्ट, मोनोलाइन और ट्यूबेनेट की स्थापना, समुद्री शैवाल सीड बैंक और हैचरी की स्थापना, एक मल्टीपरपस सी वीड़ पार्क की स्थापना, और प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, अनुसंधान और पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

(ग): PMMSY के अंतर्गत अनुमोदित परियोजनाएं राज्य स्तर पर कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों और अनुसंधान संस्थानों द्वारा प्रदान किए गए विवरण के अनुसार, आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न SHGs, महिला समूहों और व्यक्तिगत किसानों के अंतर्गत कवर किए गए लाभार्थियों का विवरण **अनुलग्नक-II** में है।

(घ) PMMSY के अंतर्गत, विगत 5 वर्षों (2020-25) के दौरान समुद्री शैवाल कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों के लिए 198.17 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। स्वीकृत परियोजनाओं में से, विगत पांच वर्षों के दौरान भारत भर में समुद्री शैवाल कृषि और संबद्ध इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों को आवंटित धन का विवरण **अनुलग्नक III** में है।

(ङ) से (च) मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार समुद्री शैवाल के घरेलू उपयोग को बढ़ाने, समुद्री शैवाल अर्थव्यवस्था की मांग-आधारित वृद्धि को बढ़ावा देने और समुद्री शैवाल कृषि के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कदम उठा रहा है। इसके अलावा, लक्षद्वीप को समुद्री शैवाल क्लस्टर के रूप में नामित किया गया है और अनुसंधान, प्रौद्योगिकी प्रसार और कौशल विकास को मजबूत करने के लिए समुद्री शैवाल विकास के लिए ICAR-केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (CMFRI) के मंडपम क्षेत्रीय केंद्र को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया है।

तमिलनाडु में अनुमोदित मल्टीपरपस सी वीड़ पार्क का उद्देश्य खाद्य, न्यूट्रास्युटिकल, फार्मास्युटिकल, कॉस्मेटिक और कृषि उपयोगों के लिए समुद्री शैवाल-आधारित उत्पादों के लिए एकीकृत कृषि, प्रसंस्करण और उत्पाद विकास और प्रोत्साहन है। इसके बाद, समुद्री शैवाल जर्मप्लाज्म के आयात के लिए दिशानिर्देश विभाग द्वारा जारी किए गए हैं। इसके अलावा, नीति आयोग ने इस क्षेत्र के विकास के लिए समुद्री शैवाल नीति रिपोर्ट भी जारी की है।

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (NFDB) द्वारा राज्य मत्स्यपालन विभागों और ICAR-CMFRI और CSIR-CSMCRI जैसे अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से आयोजित अच्छे प्रबंधन प्रथाओं [गुड मेनेजमेंट प्रेक्टीसेस (GMPs)] के अंतर्गत प्रशिक्षण, प्रदर्शन, एक्सपोजर विज़िट और मास्टर ट्रेनर विकास कार्यक्रमों के माध्यम से समुद्री शैवाल कृषि के लिए जागरूकता सृजन और क्षमता निर्माण किया जा रहा है। आंध्र प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि उन्होंने GCF परियोजना और AFCOF-CBBO फंड की वित्तीय सहायता से 12 तटीय जिलों में कुल 1,440 स्वयं सहायता समूहों और मछुआरों के लिए क्षमता निर्माण और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं।

*****

अनुलग्नक-I

'समुद्री शैवाल कृषि' के संबंध में 10 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1714 के भाग (क) में उल्लिखित विवरण।

वर्ष	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)				
	2020-2021	**2021-2022**	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
तमिलनाडु	69.26	87.96	99.94	104.18	107.93
महाराष्ट्र	-	0.12	0.21	0.12	-
गुजरात	-	1.41	2.32	3.94	5.86
ओडिशा	0.40	0.20	-	-	-
आंध्र प्रदेश		1.01	1.01	1.01	1.01
कर्नाटक	0.04	0.04	0.04	-	-
लक्षद्वीप	0.0016	0.020	0.028	0.008	0.008

अनुलग्नक-II

'समुद्री शैवाल कृषि' के संबंध में 10 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1714 के भाग (ग) में उल्लिखित विवरण।

वर्ष	समुद्री शैवाल कृषि में संग्लन सदस्य
तमिलनाडु	7230
गुजरात	378
आंध्र प्रदेश	120
लक्षद्वीप	40

अनुलग्नक-III

'समुद्री शैवाल कृषि' के संबंध में 10 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1714 के भाग (घ) में संदर्भित विवरण।

तालिका-1: **इनपुट सहित समुद्री शैवाल संवर्धन राफ्ट की स्थापना की स्वीकृत इकाइयाँ**

(**रुपए लाख में**)

क्र.सं.	**राज्यों के नाम**	**2020-25 का कुल योग (आज तक)**		
		वास्तविक (सं.)	**परियोजना लागत**	**भारत सरकार का शेयर**
1	आंध्र प्रदेश	26000	390	115
2	कर्नाटक	10000	150	45
3	लक्षद्वीप	500	9	5
4	महाराष्ट्र	1000	15	5
5	तमिलनाडु	9745	146.18	77
कुल		**47245**	**710.18**	**247**

तालिका-2: इनपुट सहित मोनोलाइन/ट्यूबनट विधि के साथ समुद्री शैवाल संवर्धन की स्थापना के लिए अनुमोदित इकाइयां

(रुपए लाख में)

क्र.सं.	**राज्यों के नाम**	**2020-25 का कुल योग (आज तक)**			
		वास्तविक	**परियोजना**	**भारत**	**अपेक्षित उत्पादन (टन में)**
1	आंध्र प्रदेश	41200	3296	902	18,540
2	गुजरात	400	32	5	90
3	कर्नाटक	21000	1680	509	9,450
4	लक्षद्वीप	250	125	75	56
5	तमिलनाडु	1031	82	30	238.95
कुल		**63881**	**5215.00**	**1521**	**28374.95**

तालिका-3: नए सीवीड बैंकों की स्वीकृत इकाइयाँ

(रुपए लाख में)

क्र.सं.	**राज्यों के नाम**	**2020-21**		
		वास्तविक (सं.)	**परियोजना लागत**	**भारत सरकार का शेयर**
1.	दमन और दीव*	1	120	120
कुल		**1**	**120**	**120**

तालिका-4: एकीकृत एक्वापार्क घटक के अंतर्गत समुद्री शैवाल पार्क की स्थापना स्वीकृत

(रुपए लाख में)

क्र.सं.	**राज्यों के नाम**	**2022-23**		
		वास्तविक (सं.)	**परियोजना लागत**	**भारत सरकार का शेयर**
1	तमिलनाडु	1	12771	7516

*****